

राष्ट्रीय साप्ताहिक समाचारपत्र संकल्प शक्ति

संकल्प शक्ति के बल पर आओ हम सब मिलकर भय-भूख-भ्रष्टाचार से मुक्त भारत का निर्माण करें।

पृष्ठ-8, मूल्य ₹5

डाक पंजीकरण संख्या MP/SDLN/0025/2023-2025



WWW.sankalpshakti.in

गुरुवार 19 जून से 25 जून 2025

वर्ष 16, अंक: 21

मध्यप्रदेश में मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर सुधारने के प्रयास विफल

करोड़ों
रुपए खर्च,
परिणाम शून्य

भोपाल। प्रदेश में करोड़ों रुपए खर्च होने के बावजूद मातृ मृत्यु रेशियो (एमएमआर) में प्रभावी सुधार नहीं हो पा रहा है। देश में राष्ट्रीय स्तर पर एमएमआर में लगातार कमी हो रही है। मध्यप्रदेश से लगे कई छोटे राज्य भी प्रभावी रोक लगाने में कामयाब हुए हैं, लेकिन प्रदेश अभी भी इस मामले में देश में पहले स्थान पर बना हुआ है। प्रदेश ने पहले जहाँ एमएमआर 175 पाया था, वहीं अब 169 हो गया है। यानी प्रति एक लाख जीवित जन्म देने वाली गर्भवती महिलाओं में से 169 की प्रदेश में मौत हो रही है, जो देश के सभी राज्यों में सर्वाधिक है। रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया के मेटरनल



मॉर्टैलिटी पर 14 जून को जारी एसआरएस के स्पेशल बुलेटिन 2020-22 में यह खुलासा हुआ। इसमें राष्ट्रीय

स्तर पर एमएमआर में उल्लेखनीय कमी दर्ज हुई है। इसमें देश में एमएमआर अब 88 हो गया है, जबकि म.प्र. में एमएमआर इससे दोगुना है। रिपोर्ट में बताया गया है, माताओं की मृत्यु होना किसी क्षेत्र

जटिलताओं के कारण हो जाती है, तो कुछ की प्रसव के समय या गर्भपात के समय मौत होती है।

3.5 हजार करोड़ रुपए खर्च

प्रदेश में मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर जैसे सूचकांक सुधारने पर वर्ष 2024-25 में 3531 करोड़ रुपए का बजट खर्च किया गया है, जबकि वर्ष 2025-26 के लिए एनएचएम को 4418 करोड़ का बजट स्वीकृत किया गया है। इतने खर्च के बावजूद क्या कारण है कि अपेक्षित परिणाम नहीं मिल रहे हैं? प्रदेश में एमएमआर कम करने एनसी पंजीयन, प्रसव पूर्व चार जांचें, एनीमिया रोकथाम, जेस्टेशनल

डायबिटीज की स्क्रीनिंग जैसे कई उपाय किए जा रहे हैं।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

एमएमआर को कम करने हेतु सबसे पहले महिलाओं में पोषण की स्थिति में सुधार करना जरूरी है, क्योंकि खून की कमी के कारण ही गर्भावस्था में कई जटिलताएं पैदा होती हैं। इसके बाद प्रसव के लिए महिलाएं समय पर अस्पताल पहुंचें और उन्हें सही समय पर इलाज मिल सके, यह व्यवस्था भी अतिआवश्यक है। क्रिटिकल केसों के लिए प्रसव की सुविधाएं घर के पास मिलें और अस्पतालों में पर्याप्त गायनिक विशेषज्ञ हों।

विश्वभर में किस धर्म को मानते हैं कितने लोग? मुस्लिमों की आबादी में इजाफा

प्यू रिसर्च की ताजा रिपोर्ट में 2010 से 2020 के आकड़ों के मुताबिक, विश्वभर में सर्वाधिक 2.3 अरब लोग ईसाईधर्म को मानने वाले हैं। रिपोर्ट कहती है कि इस दौरान सबसे तेजी से बड़े इस्लामधर्म को मानने वालों की संख्या 02 अरब हो गई है, जबकि 1.9 अरब लोग कोई धर्म ही मानते। इसके बाद 1.2 अरब लोग हिन्दू हैं।

दुनिया में बढ़ी मुस्लिमों की आबादी

दुनिया में मुसलमानों की आबादी में तेजी से इजाफा हुआ है। प्यू रिसर्च की ताजा रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में अब भी सबसे अधिक आबादी ईसाइयों की है, लेकिन उनकी जनसंख्या की ग्रोथ में कमी आई है। इसके अलावा दुनिया में उनकी आबादी का अनुपात 2010 के मुकाबले 1.8 फीसदी कम हुई है। फिलहाल दुनिया में ईसाई आबादी 2.3 अरब है और पूरी दुनिया की जनसंख्या में इनकी 28.8 पसैंट की हिस्सेदारी है। इस तरह ईसाइयों की आबादी का अनुपात कम हुआ, तो वहीं मुस्लिमों की जनसंख्या का प्रतिशत दुनिया में 1.8 फीसदी बढ़ गया है।

फिलहाल दुनिया में मुसलमानों की आबादी 25.6 फीसदी है और कुल जनसंख्या 02 अरब है।



माना जा रहा है कि जल्दी ही दुनिया भर में मुसलमानों की आबादी ईसाइयों को पीछे छोड़ते हुए सबसे ज्यादा होगी। इस रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में बौद्धधर्म की आबादी में कमी आई है। 2010 में बौद्धों की आबादी में 1.9 करोड़ की कमी आई है। इसके चलते दुनिया की आबादी में बौद्धों का अनुपात 0.8 फीसदी घटकर 4.1 हो गया है। इस तरह भारत में पैदा हुए बौद्धधर्म के लोगों की संख्या बढ़ने की बजाय कम हो रही है। इसकी एक वजह जन्मदर का कम होना है, तो

दूसरा कारण धर्म से विमुख होना भी है। बड़ी संख्या ऐसे लोगों की है, जो अपने जन्म के धर्म को छोड़ रहे हैं।

विश्व में हिंदुओं की आबादी 1.2 अरब

अब बात हिंदुओं की करें तो उनकी आबादी में वैश्विक औसत के बराबर ही इजाफा हुआ है। 10 सालों के अंतराल में हिंदुओं की आबादी में 12 करोड़ का इजाफा हुआ है। दुनिया की कुल

आबादी में हिंदुओं की संख्या 1.2 अरब है और वे 14.9 फीसदी हैं। इसका अर्थ हुआ कि दुनिया का हर सातवां इंसान हिंदू है, वहीं दुनिया का हर चौथा व्यक्ति मुस्लिम या फिर ईसाई है। किसी धर्म के लोगों की आबादी यदि सबसे कम है तो यहूदी है। यहूदियों की आबादी दुनिया में 0.2 प्रतिशत ही है। बीते एक दशक में उनकी जनसंख्या में 10 लाख का ही इजाफा हुआ है। स्टडी के अनुसार दुनिया के सबसे कम आबादी वाला धर्म यहूदी ही है।

नास्तिक हैं 24.2 फीसदी लोग

एक रोचक तथ्य यह भी है कि दुनिया की 75.8 फीसदी आबादी किसी-न-किसी धर्म से ताल्लुक रखती है, लेकिन 24.2 फीसदी लोग ऐसे हैं, जो किसी धर्म से खुद को नहीं जोड़ते। इन लोगों का कहना है कि वे नास्तिक हैं। यह समूह ईसाइयत और इस्लाम के बाद तीसरा सबसे बड़ा समूह है। एक और बात यह है कि धर्म छोड़ने वाले इन लोगों में सबसे ज्यादा वे हैं, जो ईसाई थे। अमेरिका, इटली समेत कई देशों में ईसाई धर्म छोड़कर खुद को नास्तिक घोषित करने वालों की बड़ी संख्या है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून

योग ऐसी कला है, जो सोई हुई शक्तियों को जगाता है

शारीरिक, मानसिक और अध्यात्मिक अभ्यास को योग कहते हैं। यह शरीर, मस्तिष्क और आत्मा को एक साथ लाने का काम करता है। योग की उत्पत्ति संस्कृत शब्द 'युज' से हुई है जिसका अर्थ जोड़ना या मिलना है। तन और मन का एक साथ जुड़ जाना योग है। योग ऐसी कला है, जो आपकी सोई हुई शक्तियों को जगाता है। इसका उदय प्राचीन भारत में हुआ था। योग का जिक्र भगवद् गीता में भी किया गया है। भगवद् गीता में वर्णित सिद्धासिद्धयो समोभूत्वा समत्वं योग उच्चते का अर्थ है दुःख-सुख, लाभ-अलाभ, शत्रु-मित्र, शीत और उष्ण आदि द्वन्द्वों में सर्वत्र समभाव रखना योग है।

गौरतलब है कि भारत सरकार के काफी प्रयासों के बाद 2014 में संयुक्त राष्ट्र संघ ने योग को अंतर्राष्ट्रीय पहचान दी, जिसके बाद 21 जून 2015 को प्रथम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। तब से हर वर्ष दुनिया भर में योग दिवस मनाया जा रहा है।



योग से स्वास्थ्य लाभ

वर्तमान समय में व्यस्त जीवनशैली के कारण लोग प्रसन्नचित्त रहने के लिए योग करते हैं। योगासन न केवल व्यक्ति का तनाव दूर करता है, बल्कि मन और मस्तिष्क को भी शांति मिलती है। योग बहुत ही

लाभकारी है। योग हमारे दिमाग, मस्तिष्क को ताकत पहुंचाता है। आज बहुत से लोग मोटापे से परेशान हैं, उनके लिए योग बहुत ही फायदेमंद है। हृदय रोग, लिवर और सांस की समस्या, त्वचा रोग, खून की कमी, आंखों के विकार, हड्डियों और दांतों के रोगों के अलावा

अस्थिमा, रक्तचाप, मधुमेह व शरीर के सभी रोगों का इलाज योग में है। योग ऐसी क्रिया है जिसके माध्यम से व्यक्ति निरोगी जीवन जी सकता है।

योग कब और कैसे करें?

योग हमेशा एक निश्चित समय पर

करना चाहिए। आप सुबह जल्दी उठकर, फिर शाम के समय योग कर सकते हैं। आमतौर पर सुबह के समय योग करना बहुत ही अच्छा माना जाता है, क्योंकि उस समय आप और आपके आसपास का वातावरण शांत होता है और सुबह के समय आपकी ऊर्जा-शक्ति भी ज्यादा होती है।

आप अपने घर का कोई भी साफ और शांत स्थान चुन लें, जहां पर्याप्त जगह हो और आप वहां चटाई बिछा कर योग कर सकें। याद रहे कि वह स्थान हवादार और स्वच्छ हो।

यह ध्यान रखें की कभी भी योग करते समय तंग कपड़े ना पहने, क्योंकि ऐसे कपड़े पहनने से आप योग-आसन अच्छे से और देर तक नहीं कर पाएंगे। ढीले और आरामदायक कपड़े पहनकर योग करें। इसके अलावा आपने अगर गले, हाथ, पैर में गहने और आभूषण पहने हुए हैं, तो योग करने से पहले उसे भी निकाल कर रख दें।

....रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस 24 जून पर विशेष....

अपमानजनक जीवन जीने की तुलना में सम्मानपूर्वक मरना बेहतर है

रानी दुर्गावती का जन्म 05 अक्टूबर 1524 को कालिंजर के किले में हुआ था। उनका जन्म चंदेल राजपूत राजा शालभम के परिवार में हुआ था, जिन्होंने महोबा राज्य पर शासन किया था।

1542 में उन्होंने गढ़ा साम्राज्य के राजा संग्राम शाह के सबसे बड़े बेटे दलपत शाह से विवाह किया। इस विवाह के माध्यम से महोबा के चंदेल और गढ़ा-मंडला राजवंश के कछवाह राजपूत सहयोगी बन गए।

राजा दलपत शाह की मृत्यु 1550 ई. में हुई और जब उनके उत्तराधिकारी युवराज वीर नारायण मात्र 05 वर्ष के थे, उनकी पत्नी, रानी दुर्गावती ने नए राजा के अल्पवयस्क होने के दौरान रीजेंट के रूप में गोंडवाना साम्राज्य की बागडोर संभाली। दीवान अधर कायस्थ और मंत्री मान ठाकुर ने रानी को प्रशासन को सफलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से संभालने में मदद की। रानी दुर्गावती ने अपने पूरे राज्य में शांति, व्यापार और सद्भावना को बढ़ावा दिया।

रानी दुर्गावती ने अपनी राजधानी सिंगोरगढ़ किले से चौरागढ़ किले में स्थानांतरित कर दी। यह सतपुड़ा पहाड़ी शृंखला पर स्थित सामरिक महत्व का किला था।

गोंडवाना पर मुगल आक्रमण

1562 में अकबर ने मालवा के शासक बाज बहादुर को हराया और मालवा पर कब्जा करके उसे मुगल साम्राज्य बना दिया। नतीजतन, रानी की राज्य सीमा मुगल साम्राज्य से जुड़ गई। रानी के समकालीन मुगल सेनापति ख्वाजा अब्दुल मजीद आसफ खान थे, जिन्होंने रीवा के राजा रामचंद्र सिंह को हराया था। वह रानी दुर्गावती और गोंडवाना की संपत्ति चाहता था। उसने मुगल सम्राट अकबर से अनुमति प्राप्त करने के बाद रानी के राज्य पर मुगल आक्रमण का नेतृत्व किया।

जब रानी को मुगल जनरल आसफ खान के आक्रमणों के बारे में पता चला तो उन्होंने अपनी पूरी ताकत से अपने राज्य की रक्षा करने का फैसला किया, हालांकि उनके दीवान, बेहर अधर सिम्हा (अधर कायस्थ) ने हमलावर मुगल सेना की ताकत के बारे में चेतावनी दी थी, तो रानी ने कहा था कि 'अपमानजनक जीवन जीने की तुलना में सम्मानपूर्वक मरना बेहतर है।'

रक्षात्मक लड़ाई लड़ने के लिए, वह नरई गई, जो एक तरफ पहाड़ी शृंखला और दूसरी तरफ गौर और नर्मदा दो नदियों के बीच स्थित है। यह एक असमान लड़ाई थी, जिसमें हमलावर मुगल पक्ष की ओर से प्रशिक्षित सैनिकों और आधुनिक हथियारों की भरमार थी और रानी दुर्गावती की ओर से पुराने हथियारों के साथ कुछ अप्रशिक्षित सैनिक थे। उनके फौजदार अर्जुन दास युद्ध में मारे गए। तब रानी ने खुद ही बचाव का नेतृत्व करने का फैसला किया। जैसे ही दुश्मन घाटी में घुसे, रानी के सैनिकों ने उन पर हमला कर दिया। दोनों पक्षों को भारी नुकसान हुआ।

इस अवस्था में, रानी ने अपने सलाहकारों के साथ अपनी रणनीति की समीक्षा की। वह रात में आक्रमणकारी मुगल सेना पर छापामार हमले जारी रखना चाहती थीं, लेकिन उसके सरदारों ने उन्हें हतोत्साहित किया और आग्रह किया कि वह रात के उजाले में आक्रमणकारी सेना से खुले युद्ध में भिड़े। लेकिन अगली सुबह तक, मुगल सेनापति आसफ खान ने बड़ी तोपें बुला लीं। रानी अपने हाथी सरमन पर सवार होकर युद्ध के लिए आईं। उनके बेटे, युवराज वीर नारायण ने भी इस युद्ध में भाग लिया। उन्होंने आक्रमणकारी मुगल सेना को तीन बार पीछे हटने पर मजबूर किया, लेकिन अंत में, वे घायल हो गए और उन्हें सुरक्षित स्थान पर जाना पड़ा। युद्ध के दौरान रानी के कान के पास एक तीर से गंभीर चोट लग गई, इसके बाद एक और तीर उनकी गर्दन में जा लगा और वे बेहोश हो गईं। होश में आने पर उन्हें लगा कि हार निश्चित है। उनके महावत ने उन्हें युद्ध के मैदान से चले जाने की सलाह दी, लेकिन उन्होंने मना कर दिया और 24 जून 1564 को अपना खंजर निकालकर खुद को मार डाला। उनके शहादत दिवस (24 जून 1564) को बलिदान दिवस के रूप में मनाया जाता है।



अब सीधे घर तक पहुंचेगा परिवारिक योजना का लाभ

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर उत्तरप्रदेश में अब राष्ट्रीय परिवारिक लाभ योजना को और पारदर्शी, तेज और जनता के अनुकूल बना दिया गया है। पहले जहां लाभार्थी परिवारों को सहायता पाने के लिए महीनों सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे, अब उन्हें घर बैठे तय समय सीमा के भीतर 30,000 रुपये की आर्थिक सहायता मिल सकेगी। राज्य सरकार ने अब इस योजना की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन कर दी है, जिससे आवेदन से लेकर भुगतान तक सभी चरणों में जवाबदेही तय हो गई है। पात्र परिवारों को अब आवेदन की

तारीख से 75 दिनों के भीतर सहायता राशि मिल जाएगी। अगर किसी कारण से भुगतान में देरी होती है, तो अब फाइलें प्रदेश स्तर पर नहीं भेजी जाएंगी, बल्कि जिला स्तर पर ही समिति की मंजूरी लेकर तुरंत भुगतान कर दिया जाएगा।

वहीं जिला समाज कल्याण अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है कि किसी लाभार्थी को पहले से यह सहायता न मिली हो। वे सत्यापन



के बाद पात्र आवेदकों की अंतिम सूची तैयार कर 07 दिनों के भीतर जिला स्वीकृति समिति को भेजेंगे। इसके बाद

डिजिटल सिग्नेचर के जरिए सूची पोर्टल पर अपलोड होगी और पीएफएमएस के माध्यम से सीधे लाभार्थी के आधार-लिंकड बैंक खाते में राशि ट्रांसफर की जाएगी।

गौरतलब है कि राष्ट्रीय परिवारिक लाभ योजना के तहत ऐसे परिवारों को मदद दी जाती है, जिनके कमाऊ मुखिया (18 से 60 वर्ष की उम्र) की मृत्यु हो जाती है, और जिनकी वार्षिक आय शहरी क्षेत्र में 56,460 रुपये व ग्रामीण क्षेत्र में 46,080 रुपये से अधिक न हो। सरकार ऐसे परिवार को 30,000 रुपये की एकमुश्त सहायता राशि देती है।

पुल टूटने से
चार लोगों की
मौत, 18 घायल



पुणे। महाराष्ट्र के पुणे जिले में इंद्रायणी नदी पर बना पुल रविवार को ढह गया। इसमें चार लोगों की मौत होगी और 18 लोग घायल होगे। राहत एवं बचाव दल ने 41 लोगों का रेस्क्यू किया। हादसा उस वक्त हुआ, जब कई लोग नदी के तेज बहाव को देखने के लिए खड़े थे। पुल बहुत खराब और जर्जर स्थिति में था। इसमें क्षमता से ज्यादा पर्यटक मौजूद थे। यही हादसे की वजह बना।

केदारनाथ धाम के गौरीकुंड क्षेत्र
में हेलिकॉप्टर क्रैश; सात की मौत



देहरादून। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग के गौरीकुंड क्षेत्र में बड़ा हादसा हुआ है। रविवार, दिनांक 15 जून की सुबह केदारनाथ रूट पर हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। हेलिकॉप्टर में कुल सात लोग सवार थे। इस हादसे में सातों लोगों की मौत हो गई, मृतकों में 23 महीने का बच्चा भी शामिल है।

जानकारी के अनुसार, रविवार की सुबह आर्यन कंपनी का हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। गौरीकुंड क्षेत्र में यह

हादसा हुआ है। घटना सुबह 5.30 बजे की बताई जा रही है। हेलिकॉप्टर के क्रैश होने की वजह खराब मौसम बताई जा रही है।

मृतकों में राजकुमार जयसवाल, श्रद्धा जयसवाल, काशी जयसवाल, तुष्टि सिंह, विनोद, विक्रम सिंह और कैप्टन राजीव शामिल हैं। शवों के बुरी तरह से जले होने की सूचना है। बताया जा रहा है कि हेलिकॉप्टर गौरी माई खर्क से ऊपर जंगल में गिरा है।

800 प्रतिशत मुनाफे का झांसा देकर की गई ठगी

इंदौर। शहर की अपराध शाखा ने फर्जी शेयर कारोबार और एडवाइजरी फर्म चलाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में एक पैडलर को गिरफ्तार किया है, जो फर्जी बैंक और ट्रेडिंग खातों की सप्लाई करता था। गिरोह ने भोले-भाले लोगों को शेयर बाजार और आईपीओ में निवेश पर 800 प्रतिशत तक के मुनाफे का लालच देकर लाखों की ठगी की।

इस फर्जीवाड़े का शिकार बने कानून के छात्र प्रशांत राठौर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। प्रशांत के मुताबिक, 16 दिसंबर 2024 को उसे सेमको सिक्युरिटीज लिमिटेड नामक एक फर्जी एडवाइजरी फर्म के व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा गया। कुछ

दिनों बाद वीएफआईपी-706 नामक ग्रुप में भी शामिल किया गया, जहां शांभवी नामक युवती से उसकी बातचीत हुई। युवती ने आईपीओ और शेयर बाजार में निवेश पर अत्यधिक लाभ मिलने का भरोसा दिलाया।

बनाया फर्जी ट्रेडिंग अकाउंट

आरोपियों ने प्रशांत का फर्जी ट्रेडिंग अकाउंट खोलकर एप पर एक आईडी बनाई और निवेश के नाम पर उससे धीरे-धीरे 10 लाख 36 हजार रुपये जमा करवा लिए। बाद में उसके अकाउंट में 38 लाख 37 हजार रुपये का बैलेंस दिखाया गया, लेकिन जब वह पैसे निकालने पहुंचा तो बहाने बनाकर उसे टाल दिया गया।



अनेक लोग हो चुके हैं ठगी के शिकार

पुलिस के मुताबिक इस गिरोह के सदस्य कई लोगों से इसी तरह की ठगी कर चुके हैं और अब मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। अन्य आरोपियों की तलाश भी जारी है।

ट्रक के नीचे दबकर
चार लोगों की मौत

सीतापुर, लखनऊ। सीतापुर जिले के रेउसा इलाके में रविवार देर रात मारूबेहड़ पुल के पास एक ट्रक पलट गया। हादसे में ट्रक के नीचे दबने से चार लोगों की मौत होगी।

पुलिस के मुताबिक एक ट्रक जिसमें चावल की पॉलिश लदी हुई थी। यह सीतापुर से बहराइच जा रहा था। वह पुल के पास पलट गया और उसके नीचे चार लोग दब गए। ये चारों लोग मारूबेहड़ में एक शादी समारोह में शामिल होने आए थे। वह आपस में बात कर रहे थे इसी बीच ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया, आसपास के लोगों ने घायलों को सीएससी पहुंचाया।

नक्सल विरोधी अभियान में
सुरक्षाबलों को मिली सफलता

भोपाल। बालाघाट जिले में सुरक्षाबलों को नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता मिली है। हॉकफोर्स ने चार नक्सलियों को ढेर कर दिया। डीजीपी कैलाश मकवाना ने बताया कि पंचामा दादर के पहाड़ी क्षेत्रों में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच बीती रात से मुठभेड़ जारी थी। इसी बीच सुरक्षा बलों ने चार नक्सलियों को ढेर कर दिया। इनमें एक पुरुष और तीन महिला नक्सली



हैं। मौके से ग्रेनेड लॉन्चर, 4 राइफल और एसएलआर जैसे हथियार बरामद हुए हैं। घटनास्थल पर लगातार बारिश के बीच भी नक्सल विरोधी अभियान जारी है।

अस्पताल में मरीजों के परिजनों
से की जा रही है अवैध वसूली

दमोह। जिला अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों के परिजनों से अवैध वसूली की जा रही है। एमसीएच में प्रसव के नाम पर परिजनों से पैसे एंटे जाने के कई मामले सामने आ चुके हैं। इधर, ट्रामा यूनिट में भर्ती हो रहे घायलों के परिजनों से भी इलाज के नाम पर स्टाफ सुविधा शुल्क की मांग कर रहा है। इंटलांट डालने और प्लास्टर बांधने के नाम पर ग्रामीण परिजनों से यहां का स्टाफ अवैध वसूली में जुटा हुआ है।



ताजुब की बात यह है कि इस संबंध

में प्रबंधन के पास शिकायतें भी पहुंच रही हैं, लेकिन जिम्मेदार शिकायतों को हल्के में ले रहे हैं। कार्रवाई न करने से रुपए मांगने का सिलसिला धड़ेल्ले से चल रहा है। चर्चाएं हैं कि यहां मरीजों से 500 रुपए से लेकर 4000 हजार रुपए तक मांगे जा रहे हैं।



चिन्तन



यदि हमें हिन्दुत्व की रक्षा करना है, तो हमें नशे-मांसाहार से मुक्त चरित्रवान् समाज के निर्माण हेतु अपनी पूरी क्षमता को लगाना होगा। यदि हम नशे-मांसाहार से मुक्त चरित्रवान् समाज का निर्माण करने में सफल हो गए, तो न कोई हमारा अहित कर सकेगा और न हमें किसी का अहित करने की आवश्यकता पड़ेगी। जब आप सामर्थ्यवान होंगे, सत्य के रास्ते पर चलेंगे, तो दूसरा भी सत्य को स्वीकार करेगा और यदि कोई दूसरा अहित करेगा, तो उससे रक्षा करने की सामर्थ्य आपके पास होगी। हमारी यदि रक्षात्मक प्रणाली प्रबल होजाये, तो कौन हमारा अहित कर पायेगा? मगर आज छोटे-छोटे ग्रुप बना करके एक मानसिकता विकसित की जा रही है! जिसे राजनीति में बढ़ना है, जिसे अधर्मी-अन्यायियों के साथ जुड़ना है, वह गुण्डागर्दी करेगा, तोड़फोड़ करेगा, नारे लगायेगा, कहीं बाजार बन्द करवायेगा, कहीं गाड़ियों में आग लगायेगा, होहल्ला मचायेगा, कोई जाति की राजनीति करेगा, अनेक ऐसे ग्रुप और संगठन खड़े किए जाते हैं! समाज का इससे हित नहीं होगा। अपने बच्चों को कभी उग्रवादी मानसिकता की ओर मत बढ़ने देना।

ऋषिवाणी

धर्मसम्राट् युग चेतना पुरुष सद्गुरुदेव परमहंस योगीराज श्री शक्तिपुत्र जी महाराज

नशामुक्ति शंखनाद

शक्ति चेतना जनजागरण शिविर, सिद्धाश्रम (म.प्र.),
20-10-2015

क्रमशः...

यदि आपका बच्चा धार्मिक होगा, तो अधर्म उसके आसपास भी नहीं फटक सकेगा, मगर आज तीनों कर्तव्यों को निभाने में हर माता-पिता असफल हो रहे हैं। बच्चों के स्वास्थ्य की तरफ नहीं देखा जाता और कहेंगे कि हाँ बेटा, चॉकलेट अच्छी लगती है, तो बस चॉकलेट पर चॉकलेट खिला रहे हैं, नमकीन अच्छी लगती है, तो नमकीन खिला देंगे। दाल-चावल, सब्जी-रोटी नहीं खिलाएंगे, लेकिन ब्रेड अच्छी लगती है, तो ब्रेड खिला देंगे, पिज्जा-बर्गर अच्छे लगते हैं, तो पिज्जा-बर्गर खिला देंगे! क्या तुम कभी उनके स्वास्थ्य के बारे में सोचते हो कि जो भोजन तुम उन्हें दे रहे हो, क्या

उससे उन्हें आवश्यक विटामिन्स मिलेंगे? तुम बचपन से ही अपने बच्चों को ग़लत आदतों में डाल देते हो! प्रारम्भ से ही अपने बच्चों को शुद्ध, सात्विक, पौष्टिक भोजन दो और जो भोजन विटामिन्स से युक्त हो, उसके लिए प्रेरित करो, उनका ध्यान उसी तरफ आकर्षित करो। वे जैसा भोजन करेंगे, उनके अन्दर वैसे ही विचार बनते चले जायेंगे। उन्हें आलसी और अकर्मण्य बनने से बचाओ। जब स्वास्थ्य की बात आती है, तो समय के साथ उनकी प्रत्येक क्रिया पर ध्यान रखो कि बच्चा कितनी देर सोता है, कितनी देर जगता है, कितनी देर टीवी देखता है और कितनी चीजों पर सजग रहना है, मगर

आज हर माँ-बाप का यही बच्चे स्वस्थ रहते हैं। जब तुम सिलसिला है कि वे सुबह उठेंगे और देखेंगे कि बेटा सो रहा है, उसे ठंड लग रही है, तो अपनी रजाई भी उसके ऊपर डाल देंगे कि बेटा थोड़ी देर और सो ले! ऐसा लगता है कि इतना प्रेम करते हैं कि उनसे ज्यादा प्रेम करने वाले दूसरे और कोई माँ-बाप नहीं होंगे। जबकि, होना यह चाहिए कि सूर्योदय से पहले बच्चों को जगा देना चाहिए। मेरे सामने मेरी बेटियाँ पूजा, संध्या, ज्योति बैठी हुई हैं, मैंने दो महीने की उम्र के बाद उन्हें कभी छूट नहीं दी और हमेशा सूर्योदय से पहले उन्हें स्नान कराता था। पूजा की दो महीने से भी छोटी बच्ची है, उसे भी सूर्योदय से पहले स्नान करवाता हूँ। ब्रह्ममुहूर्त में स्नान करने से

बच्चे स्वस्थ रहते हैं। जब तुम सुबह सात-आठ बजे तक बच्चों को सोने दोगे, तो फिर उन्हें सर्दी पकड़ेगी, किसी को खांसी आयेगी, किसी के फेफड़े कमजोर होंगे और वे कमजोरी के शिकार होते चले जाते हैं। बच्चों को सूर्योदय के समय कभी मत सोने दो। भले ही सूर्योदय के बाद वे दो-चार घण्टे आराम करलें, लेकिन पहले उन्हें समय पर जगाओ और समय पर स्नान कराओ। जब बच्चे थोड़े बड़े होजायें, तो उन्हें अपने साथ पूजा-पाठ में बिठाओ, उन्हें अच्छी बातें सिखाओ।

शेष अगले अंक में...

संकलन:
पूजा शुक्ला

नशे-मांसाहार से मुक्त चरित्रवान् जीवन जीते हुए करें 'माँ' की साधना: बृजपाल सिंह चौहान

महोबा। भगवती मानव कल्याण संगठन एवं पंचज्योति शक्तितीर्थ सिद्धाश्रम ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में अम्बे पैलेस, परमानंद चौक, महोबा में तृतीय रविवार को मासिक महाआरतीक्रम सम्पन्न किया गया। शुभारंभ में कु. अंजली रैकवार जी और कु. अंजली प्रजापति जी ने 'माँ'-गुरुवर के जयकारे लगवाए।

समापन बेला पर संगठन के केन्द्रीय सचिव सिद्धाश्रमरत्न डॉ. बृजपाल सिंह चौहान जी ने कहा कि जीवन में विषम परिस्थितियाँ बहुत आएंगी, उनसे पार पाने के लिए नशे-मांसाहार से मुक्त चरित्रवान् जीवन जीते हुए 'माँ' की साधना करें, यह एक सहज मार्ग है। हमें परम पूज्य गुरुवर श्री शक्तिपुत्र जी महाराज के विचारों को आत्मसात

करके सत्कर्म करते हुए नशे-मांसाहार से मुक्त चरित्रवान् जीवन जीना है।

टीम प्रमुख कु. गोमती प्रजापति जी ने परम पूज्य गुरुदेव जी महाराज के द्वारा प्रदत्त साधनाक्रमों की जानकारी उपस्थित जनसमुदाय को दी। भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रामसिंह गौर जी ने कहा कि हमें प्रत्येक गांव में घर-घर जाकर माता भगवती की ज्योति जलानी है और समाज को भगवती मानव कल्याण संगठन की विचारधारा से अवगत कराना है।

भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के जिलाध्यक्ष मुशालाल धुरिया जी ने भी अपने विचार रखे। उद्बोधनक्रम के



पश्चात् संगठन के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष अनुपम त्रिपाठी जी ने कार्यक्रम में उपस्थित जनसमुदाय के प्रति आभार जताया।



तेंदूखेड़ा में मासिक महाआरतीक्रम सम्पन्न



तेंदूखेड़ा। कृषि उपजमंडी प्रांगण, तेंदूखेड़ा, जिला-दमोह में तृतीय रविवार को मासिक महाआरतीक्रम सम्पन्न हुआ। शुरुआत में 'माँ'-गुरुवर के जयकारे सूर्य प्रताप जी और संध्या लोधी जी ने लगवाए।

दिव्य आरती के पश्चात् भगवती मानव कल्याण संगठन के ब्लॉक संगठनमंत्री लेखराम सेन जी ने कहा कि हमें अपने घरों में नित्यप्रति सुबह-शाम माता जगदम्बे की साधना-आराधना करनी है, क्योंकि इसी साधना के माध्यम से स्वयं के जीवन में और समाज में परिवर्तन किया जा सकता है। रश्मि सिंह जी ने कहा कि नशामुक्त जीवन जीते हुए हमें समाजसेवा के लिए अपने जीवन को समर्पित करना है।

संगठन के ब्लॉक उपाध्यक्ष रामकुमार परस्ते जी, संगठन के जिला प्रभारी बलराम सिंह जी और संभागीय अध्यक्ष डॉ. सुजान सिंह जी ने भी अपने विचार रखे।

महाआरती में उपस्थित जनसमुदाय के प्रति संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष राजेश सिंह जी ने आभार व्यक्त किया। मंच का संचालन अनूप सिंह जी और धनीराम पाल जी के द्वारा किया गया।

नशाविरोधी जनान्दोलन अवैध शराब ज़ब्त करवाने का सिलसिला जारी

संकल्प शक्ति।

भगवती मानव कल्याण संगठन एवं भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के कार्यकर्ता अपने नागरिक कर्तव्य का निर्वहन करते हुए लगातार पुलिस को सूचना देकर अवैध शराब ज़ब्त करवा रहे हैं।



दमोह जिले के मगरोन थानान्तर्गत मगरोन गांव में पकड़ी गई शराब



दमोह जिले के तेन्दूखेड़ा थानान्तर्गत चौरई रिपटा गांव के पास पकड़ी गई शराब

इसी क्रम में, दिनांक 13 जून को सुबह 10:30 बजे दमोह जिले के मगरोन थानान्तर्गत, मगरोन में एक पेटी अवैध शराब पकड़ी गई। आरोपी परमलाल, निवासी-बेलापुरवा और रतना अहिरवार, निवासी-बेलापुरवा, मोटरसाइकिल से शराब लेजा रहे थे।

दिनांक 17 जून को सुबह 05:00 बजे दमोह जिले के तेंदूखेड़ा थानान्तर्गत ग्राम चौरई रिपटा के पास पाँच पेटी, मात्रा-200 पाव देशी मसाला और 50 पाव देशी प्लेन शराब पकड़ी गई। आरोपी हरि कोस्टा, निवासी ग्राम-मझौली और आशीष रैकवार, निवासी-तेंदूखेड़ा, बिना नम्बर की चारपहिया वाहन बोलेरो से शराब लेजा रहे थे।

समाज में परिवर्तन लाने के लिए गुरुवर ने किया है आपका चयन



कानपुर, सौरभ मिश्र। हर माह की तरह इस माह भी तृतीय रविवार को सद्गुरुदेव श्री शक्तिपुत्र जी महाराज के आशीर्वाद से राम जानकी वाटिका, हमीरपुर रोड, कानपुर नगर में महाआरतीक्रम संपन्न किया गया।

कार्यक्रम की समापन बेला पर भगवती मानव कल्याण संगठन के केन्द्रीय प्रवक्ता रमेशचंद्र मिश्र जी ने

कहा कि एक ऋषिवर की यात्रा मिल जाए, जीवन में इससे बड़ा सौभाग्य नहीं मिलेगा। आपका चयन गुरुवर ने समाज में परिवर्तन लाने के लिए किया है। आप साधारण व्यक्ति नहीं हैं, क्योंकि प्रबल संस्कार लेकर सत्कर्म को लेकर आप लोग इस धरती पर आए हैं और आप लोगों का कार्य समाज को चेतनावान् बनाना है। टीम प्रमुख सीमा उत्तम जी ने कहा, यह

मासिक महाआरती अलौकिक ऊर्जा का केंद्र है और यहाँ से हमारी हर समस्या का समाधान होता है। संगठन के तहसील शाखा के अध्यक्ष अरविंद मिश्र जी ने कहा कि मनुष्य जीवन के तीन कर्तव्य हैं धर्म, की रक्षा, मानवता की सेवा और राष्ट्र की रक्षा करना।

अंत में अनूप बाजपेई जी ने आए हुए भक्तों के प्रति आभार जताया।

ठंडक का मज़ा, सेहत का राज 'दही की लस्सी'

पंजाब की मशहूर लस्सी आज हमारी हेल्थ न्यूज़ की सुर्खियों में है! गर्मी की चिलचिलाती धूप में एक गिलास ठंडी लस्सी पीने का मज़ा ही अलग है। दही से बनी यह पारंपरिक ड्रिंक न सिर्फ ताजगी देती है, बल्कि सेहत के लिए भी कमाल की है। मीठी लस्सी में गुड़ या शहद डालकर इसे और स्वादिष्ट बनाया जा सकता है। तो चलिए, जानते हैं कि लस्सी क्यों है इतनी खास और कैसे यह आपकी गर्मियों को और मजेदार बना सकती है!

ठंडक का जादू

लस्सी गर्मी से राहत देने का सबसे आसान और स्वादिष्ट तरीका है। दही, पानी और थोड़े से मसालों से बनी यह ड्रिंक शरीर को तुरंत ठंडक देती है। गर्मी में लस्सी पीने से ऐसा लगता है जैसे सारी थकान छूटती हो गई।

सेहत का खजाना

लस्सी सिर्फ स्वाद में ही नहीं, बल्कि सेहत में भी लाजवाब है। इसमें प्रोबायोटिक्स भरपूर मात्रा में होते हैं, जो पाचन तंत्र को दुरुस्त रखते हैं। एक गिलास लस्सी में कैल्शियम, प्रोटीन और विटामिन Bv2 भी होता है, जो हड्डियों को मजबूत करता है और



एनर्जी देता है। यह गर्मी में एक नेचुरल कूलिंग ड्रिंक है।

कब्ज और एसिडिटी जैसी समस्याओं को दूर रखती है।

पाचन का साथी

खाने के बाद अगर पेट भारी लग रहा हो, तो लस्सी आपकी सबसे अच्छी दोस्त है। इसमें मौजूद प्रोबायोटिक्स पाचन को आसान बनाते हैं और पेट की जलन को शांत करते हैं। लस्सी पेट के लिए एक टॉनिक की तरह काम करती है। यह

मीठी लस्सी का जादू

लस्सी को मीठा बनाने के लिए चीनी की जगह गुड़ या शहद का इस्तेमाल करें। गुड़ न सिर्फ स्वाद बढ़ाता है, बल्कि आयरन और मिनरल्स से भी भरपूर होता है। शहद डालने से लस्सी में एक अलग ही मिठास आती है, जो गर्मी में तुरंत एनर्जी देती है।

परफेक्ट लस्सी बनाने की विधि

एक कप ताज़ा दही लें, उसमें आधा कप ठंडा पानी मिलाएं।

स्वादानुसार गुड़ या शहद डालें और अच्छे से फेंट लें।

ऊपर से इलायची पाउडर और कटे हुए ड्राई फ्रूट्स डालें।

ठंडा-ठंडा परोसें और मजे लें!

सावधानी भी ज़रूरी

लस्सी के फायदे बहुत हैं, लेकिन इसे ज्यादा पीने से बचें। दिन में 1-2 गिलास लस्सी काफी है। अगर आपको लैक्टोज़ इनटॉलरेंस है, तो पहले अपने डॉक्टर से सलाह लें।

इस गर्मी में लस्सी को अपनी डाइट का हिस्सा बनाएँ और ठंडक के साथ सेहत का मज़ा लें। यह देसी ड्रिंक न सिर्फ आपको तरोताज़ा करेगी, बल्कि आपकी सेहत का भी ख्याल रखेगी।

कार्यकारी संपादक

डॉ बृजपाल सिंह चौहान

(एन.डी.) नेचुरोपैथ, आयुर्वेदरत्न

www.bschauhan09.blogspot.com

www.facebook.com/bschauhan09

विटामिन ए, सी और फाइबर प्रदान करते हैं 'पके आम'

पके आम विटामिन ए, सी और फाइबर प्रदान करते हैं (अत्यधिक मात्रा से बचें।)

गर्मी का मौसम हो और बात आम की न हो, ऐसा भला कैसे हो सकता है? पका, रसीला आम सिर्फ एक फल नहीं, बल्कि स्वाद का वो बादशाह है जो हर दिल में खुशी और ताजगी बिखेरता है। विटामिन A, C और फाइबर से भरपूर आम गर्मी में सेहत और स्वाद का खजाना है, बशर्ते आप इसे ज्यादा खाने की लालच न करें! चाहे काटकर खाएं, जूस बनाएं या आइसक्रीम में डालें, आम हर रूप में दिल चुरा लेता है। तो चलिए, जानते हैं कि आम क्यों है गर्मी का बेताज बादशाह है।

आम: स्वाद का जादू, सेहत का खजाना

आम को 'फलों का राजा' यूँ ही नहीं कहा जाता। इसका रसीला, मीठा गुदा विटामिन ए से आंखों और स्किन को चमक देता है, विटामिन सी इम्यूनिटी को बूस्ट करता है, और फाइबर पाचन को दुरुस्त रखता है। गर्मी में जब थकान और प्यास सताए, एक टुकड़ा आम खाते ही ऐसा लगता है जैसे मुँह में मिठास का मेगा ब्लास्ट हुआ हो। लेकिन हाँ, इसका मज़ा संयम से लें, क्योंकि ज्यादा खा लिया तो कैलोरी और शुगर का ओवरलोड हो सकता है।



आम का मज़ा: काटो, चूसो, या ब्लेंड करो

आम खाने के तरीके इतने हैं कि हर बार नया मज़ा मिलता है। सबसे देसी स्टाइल है आम को चूसना—बस पके आम को दबाएँ और गूदे का मज़ा लें। काटकर खाना पसंद है? आम को क्यूब्स में काटें, थोड़ा चाट मसाला छिड़कें और चम्मच से स्कूप करें। जूस लवर्स के लिए आम की स्मूदी बनाएं—आम को ब्लेंडर में पुदीना और बर्फ के साथ मिक्स करें। और हाँ, आम की कुल्फी या आयरस बनाकर तो गर्मी में पार्टी का मूड बन जाता है।

सेहत का रसीला तोहफा

आम सिर्फ स्वाद ही नहीं, ढेर सारे हेल्थ बेनिफिट्स भी देता है। ये स्किन को ग्लोइंग बनाता है, पाचन को बेहतर करता है, और इम्यूनिटी को मजबूत रखता है। गर्मी में एनर्जी लेवल बनाए

रखने के लिए आम का सेवन बेस्ट है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाते हैं। लेकिन याद रखें, ज्यादा आम खाने से पेट भारी हो सकता है, तो संयम ही इसकी असली चाशनी है।

अंत में...

तो इस गर्मी, अगर आप गर्मी से परेशान हैं और कुछ मीठा, रसीला और हेल्दी चाहते हैं, तो आम को अपनी प्लेट में जगह दीजिए। आम खाओ, गर्मी को मजे से भगाओ! बाज़ार से रसीले आम लाइए, काटिए, चूसिए या स्मूदी बनाइए, और इस फलों के राजा का मज़ा लीजिए और गर्मी को स्वाद के साथ मात दें!

कार्यकारी संपादक

डॉ बृजपाल सिंह चौहान

(एन.डी.) नेचुरोपैथ, आयुर्वेदरत्न

www.bschauhan09.blogspot.com

www.facebook.com/bschauhan09

पुदीना खाने से पहुंचते हैं शरीर को अनेक लाभ

शरीर के लिए पुदीना बहुत फायदेमंद होता है। इसमें भरपूर मात्रा में सोडियम, पोटेशियम, प्रोटीन और विटामिन सी आदि पाए जाते हैं। पुदीना की पत्तियाँ खाने के साथ इसका रस, चटनी, रायता और चाय बनाकर भी पी जा सकती हैं। पुदीना खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ ही शरीर को हेल्दी रखने में भी मदद करता है। इसको खाने से पाचन तंत्र तंदुरुस्त रहता है और इम्यूनिटी भी मजबूत होती है। पुदीने का स्वाद अधिकतर लोग को पसंद होता है। पुदीना एक नेचुरल हर्ब है, जो एसिडिटी, बदहजमी, अपच, गैस और जी मिचलाने की समस्या को आसानी से दूर करता है। पुदीना शरीर को हेल्दी रखने में मदद करता है और कई बीमारियों से भी शरीर को बचाता है।

▶ पाचन तंत्र को मजबूत करे

पुदीना खाने से पाचन तंत्र मजबूत होने के साथ पाचन की प्रक्रिया भी तेज होती है। पुदीना में फाइटोन्यूट्रिएन्ट्स और एंटीऑक्सिडेंट तत्व पाए जाते हैं, जो खाना पचाने में मदद करते हैं और पेट में गैस एसिडिटी की समस्या को भी आसानी से दूर करते हैं। ये पत्तियाँ खाने से हाजमा ठीक होता है।

▶ मुँह की बदबू को दूर करे

पुदीने के सेवन से मुँह की बदबू भी आसानी से दूर होती है और सांसों को ताजगी का अहसास होता है। इसका सेवन करने के लिए पुदीने के कुछ पत्तियों को पानी में उबाल लें। उसके बाद गुनगुना होने पर इस पानी से कुछा करें। ऐसा करने से मुँह की बदबू आसानी से चली जाती है।

▶ सर्दी-जुकाम में फायदेमंद

पुदीने के पत्ते खाने से सर्दी-जुकाम से राहत मिलती है और शरीर स्वस्थ रहता है। इसका सेवन करने के लिए पुदीने के पत्ते को सूँधें। ऐसा करने से सर्दी-जुकाम में होने वाली परेशानियाँ आसानी से दूर होती हैं। आप इसका काढ़ा बनाकर भी पी सकते हैं। 1 कप पानी में 10-12 पुदीने के पत्ते डालकर इसे उबालें जब ये आधा रह जाएँ, तो गुनगुना होने पर 1 चम्मच शहद डालकर पिएँ।

▶ सिरदर्द में आराम

पुदीने के पत्ते सिरदर्द को दूर करने में मदद करते हैं। इसके बाम या ऑयल का उपयोग करके माइग्रेन के दर्द में भी आराम मिलता है। पुदीने के पत्तों में ऐसे गुण पाए जाते हैं, जो सिरदर्द को आसानी से दूर करते हैं।

▶ वजन कम करने में मददगार

पुदीने के पत्तों के सेवन से वजन कम करने में मदद मिलती है। कई बार स्ट्रेस के कारण वजन तेजी से बढ़ना लगता है। ऐसे में पुदीना के पत्तों के सेवन से ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस कम होता है। जिसकी वजह से वजन कम होने में मदद मिलती है।

ब्याज दरों में और ढील देगी आरबीआई, बैंकों का एनपीए बढ़ने की संभावना

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से ब्याज दरों में और ढील दिए जाने की संभावना है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी छमाही में अतिरिक्त तरलता की आवश्यकता हो सकती है। एंजेल वन की रिपोर्ट के मुताबिक, मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही में महंगाई 2.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है। अप्रैल और मई महीने की औसत महंगाई इस अनुमान के करीब पहुंच रही है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि आरबीआई थोड़े समय के विराम के बाद ब्याज दरों में और अधिक ढील देगा, क्योंकि दूसरी छमाही में अधिक तरलता की आवश्यकता होगी। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) महंगाई में बीते महीने मई में सालाना



आधार पर उल्लेखनीय कमी आई, जो अप्रैल में 3.16 प्रतिशत से कम होकर 2.82 प्रतिशत हो गई है। महंगाई में भी थोड़ी कमी आई है, जो पिछले महीने के 4.36 प्रतिशत की तुलना में 4.28 प्रतिशत पर आ गई है।

देश की बैंकिंग प्रणाली में गैर

निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही में थोड़ी बढ़ने की संभावना है। इसका मुख्य कारण रिटेल लोन सेगमेंट (खुदरा ऋण खंड) विशेष रूप से असुरक्षित निजी और माइक्रोफाइनेंस ऋणों में बढ़ता तनाव है।

आयातित कच्चे खाद्य तेलों पर मूल सीमा शुल्क हुआ 10 प्रतिशत

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कच्चे खाद्य तेलों जैसे कि कच्चे सूरजमुखी, सोयाबीन और पाम ऑयल पर मूल सीमा शुल्क (बीसीडी) को 20 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया है। इस फैसले के चलते कच्चे और रिफाईंड



खाद्य तेलों के बीच आयात शुल्क में अंतर 8.75 प्रतिशत से 19.25 प्रतिशत हो गया है।

उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने इसकी जानकारी देते हुए बताया, इस बदलाव का मकसद सितंबर 2024 में शुल्क वृद्धि और अंतर्राष्ट्रीय बाजार की

कीमतों में समवर्ती वृद्धि के नतीजतन खाद्य तेल की बढ़ती कीमतों के मुद्दे का हल निकालना है।

खाद्य तेल संघों और उद्योग के हितधारकों को यह सुनिश्चित करने के लिए एक सलाह भी जारी की गई है, कि कम किए गए शुल्क का पूरा लाभ उपभोक्ताओं को दिया जाए।

करोड़ों रुपए के घोटाले के मास्टरमाइंड सीईओ के विरुद्ध एफआईआर दर्ज

झाबुआ। रामा जनपद पंचायत में हुए 1.92 करोड़ के घोटाले के मास्टरमाइंड तत्कालीन सीईओ वीरेंद्र रावत के विरुद्ध पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। उसकी तलाश की जा रही है। यदि गिरफ्तारी नहीं होती है तो रावत को फरार बताते हुए उस पर इनाम भी घोषित किया जा सकता है। प्रकरण में अब तक चार आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस ने रावत के विरुद्ध कई धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया। पुलिस उसकी तलाश में लगी है। जिन फर्म को भुगतान किया गया है, उनकी भी जानकारी ली जा रही है। एक फर्म का खाता सीज करने की बात भी सामने आई है।

कैलास मानसरोवर यात्रा पर जाने वालों को मिलेंगे एक लाख रुपए



गाजियाबाद। पाँच साल बाद बहाल हुई कैलास मानसरोवर यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं को उत्तरप्रदेश सरकार एक लाख रुपए देगी। राज्य के पर्यटनमंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि यह राशि यात्रा से लौटने वाले श्रद्धालुओं के खাতে में भेजी जाएगी।

तेजी से बढ़ रही हैं डिजिटल अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली। पिछले दशक से भारतीय अर्थव्यवस्था खासी तेज गति से डिजिटल हो रही है। आर्थिक वृद्धि, रोजगार और सतत विकास को आगे बढ़ाने में डिजिटल अर्थव्यवस्था की भूमिका को मापना और समझना नीति निर्माताओं और निजी क्षेत्र दोनों के लिए आवश्यक है। भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था रिपोर्ट 2024 के अनुसार, अर्थव्यवस्था-वार डिजिटलीकरण के मामले में भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा डिजिटल देश है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था के समग्र अर्थव्यवस्था की तुलना में लगभग दोगुनी गति से बढ़ने की उम्मीद है, जो



2029-30 तक राष्ट्रीय आय में लगभग पाँचवें हिस्से के बराबर योगदान देगी। इसका मतलब है कि छह साल से भी कम समय में, देश में डिजिटल अर्थव्यवस्था का हिस्सा कृषि या विनिर्माण से ज्यादा हो जाएगा। अल्पावधि में, सबसे अधिक वृद्धि डिजिटल इंटरमीडियरीज और प्लेटफार्मों के विकास से आने की संभावना है, इसके बाद बाकी अर्थव्यवस्था का ज्यादा डिजिटल प्रसार और डिजिटलीकरण होगा। इससे अंततः डिजिटल अर्थव्यवस्था में डिजिटल रूप से सक्षम आईसीटी उद्योगों की हिस्सेदारी कम हो जाएगी।

मुठभेड़ में घायल हुआ दिल्ली का बदमाश दो साथियों के साथ गिरफ्तार

वाराणसी। वाराणसी में पुलिस के साथ मुठभेड़ में दिल्ली का बदमाश उसके दो साथियों के साथ गिरफ्तार कर लिया गया है। प्राथमिक सूचना के अनुसार घायल बदमाश दिल्ली निवासी मोहम्मद सलीम है। वह उवकागिरी की कई घटनाओं को वाराणसी में अंजाम दे चुका है।

एडीसीपी काशी जोन सरवणन टी ने बताया कि जैतपुरा थानाध्यक्ष वृजेश कुमार मिश्र द्वारा नक्कीघाट इलाके में कराई जा रही चेकिंग के दौरान रुकने का इशारा करने पर सलीम ने पुलिस टीम पर फायरिंग की। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में सलीम के पैर में गोली लगी। सलीम के साथ उसके दो साथी सोनू और जसीम भी गिरफ्तार किए गए हैं।

कार और बाइक दुर्घटना में पाँच लोगों की मौत, तीन घायल

महोबा। उत्तरप्रदेश के महोबा जिले में सोमवार, दिनांक 16 जून को हुए सड़क हादसे में पाँच लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। यह घटना महोबा जिले के श्रीनगर थाना क्षेत्र के ननौरा गांव के पास एक कार और बाइक के बीच आमने-सामने की टक्कर में हुई।

बताया जाता है कि जिले के थाना चरखारी के ग्राम बगौरेन से बहू की विदा कराने कुछ लोग ईको कार में सवार होकर ग्राम ननवारा जा रहे थे। रास्ते में श्रीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम ननौरा के बागराजन मंदिर के पास सामने से आ रही बाइक की कार से भिड़ंत हो गई। इसके बाद कार खाई में जा गिरी। इसमें दोनों वाहनों में सवार पाँच लोगों की मौत हो गई।

पिकअप से टकराई एंबुलेंस, पाँच की मौत

अमेठी। अमेठी के शुक्ल बाजार क्षेत्र में पूर्वोच्चल एक्सप्रेस-वे पर रविवार, दिनांक 15 जून की सुबह सड़क हादसे में एंबुलेंस सवार पाँच लोगों की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा शुक्ल बाजार क्षेत्र से गुजरने वाली पूर्वोच्चल एक्सप्रेस वे के माइल स्टोन संख्या 59.70 के पास हुआ।



मिली जानकारी के अनुसार बिहार राज्य के यह सभी लोग दिल्ली के एक निजी अस्पताल से वाया लखनऊ परिजन का शव लेकर एंबुलेंस से घर

लौट रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार पिकअप से एंबुलेंस की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि एंबुलेंस के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार पाँच लोगों ने मौत के दरवाजे खटके, जबकि घटनास्थल पर पहुँची पुलिस ने घायल को सीएचसी पहुंचाया।

रीवा के एक किसान ने 45°C में उगा दिए कश्मीर-शिमला जैसे हरे सेब

रीवा। रीवा, मध्यप्रदेश के किसान दिलीप नामदेव ने मनाली से ग्रीन एपल के पौधे लाकर 2023 में रीवा की गरम जलवायु में पहली बार सेब की खेती शुरू की। उन्होंने हल्की बलुई मिट्टी और जैविक खाद का इस्तेमाल करके 40 से 45 डिग्री सेल्सियस की गर्मी में भी ग्रीन एपल के फल उगा दिए।

रीवा जिले के किसान दिलीप नामदेव ने वह कर दिखाया है, जो अब तक सिर्फ पहाड़ी इलाकों तक ही सीमित माना जाता था। कश्मीर और शिमला जैसे ठंडे प्रदेशों की पहचान माने जाने वाले ग्रीन एपल अब विंध्य की तपती धरती पर भी फलने लगे हैं। साल 2023 में दिलीप ने मनाली से ग्रीन एपल के 10 पौधे मंगाकर इसकी खेती की शुरुआत की थी। यह प्रयोग हर किसी को हैरान कर देने वाला था, क्योंकि रीवा में गर्मियों में तापमान 40 से 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है, लेकिन इस मुश्किल तापमान में भी



पेड़ों ने अच्छा फल देना शुरू कर दिया। आज उनके एक-एक पेड़ से करीब 50 से 60 किलो तक सेब मिल रहा है।

गौरतलब है कि रीवा की मिट्टी सामान्य तौर पर हल्की और बलुई है, जो इस खेती के लिए लाभकारी साबित हुई। किसान दिलीप नामदेव ने रासायनिक खाद की जगह जैविक खाद का इस्तेमाल किया और पौधों में नमी

बनाए रखने पर खास ध्यान दिया। यही वजह रही कि न गर्मी से पौधे सूखे और न ही उनकी बढ़वार रुकी और वे लगातार कृषि अनुसंधान केंद्र, कुटुलिया फार्म से सलाह लेते रहे और वैज्ञानिकों के सुझावों को जमीन पर उतारते गए। आज उसी मेहनत का प्रतिफल है कि उनके बाग में ग्रीन एपल की हरमन 99 प्रजाति पूरी तरह से सफल होगई है।

97 हजार से अधिक बुजुर्ग आयुष्मान के इंतजार में

ग्वालियर। सरकारी तंत्र की सुस्ती बुजुर्गों को पीएम की आयुष्मान योजना का लाभ दिलाने में आड़े आ रही है। अब तक जिले में महज 41 हजार 450 बुजुर्गों के ही आयुष्मान कार्ड बन सके हैं। 97 हजार 706 आयुष्मान के इंतजार में



हैं। जिले में एक लाख बुजुर्ग 39 हजार 156 बुजुर्ग केंद्र की आयुष्मान योजना के लिए पात्र हैं। इतना ही नहीं शासन के तमाम आदेश के बाद भी जिले में दो लाख 60 हजार 58 लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड नहीं बनाये जा सके हैं।

15 जुलाई तक

पुनः चलेगा अभियान

जबकि, स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर गांव तक शिविर लगाकर बकायदा अभियान चलाए गए, लेकिन धरातल पर योजना परवान नहीं चढ़ पाई। कार्ड न होने से न केवल 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्ग बल्कि भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल में पंजीकृत श्रमिकों एवं उनके परिवार के पात्र सदस्यों व अन्य लोग योजना के

लाभ से वंचित हैं। अब एक बार फिर 15 जुलाई तक आपके द्वार निरामयम् 2.0 अभियान चलाकर कार्ड बनाए जाएंगे। जबकि इस अभियान से पहले भी स्वास्थ्य कार्यकर्ता और आशा कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए मैदान में उतारा गया था।

वय वंदना कार्ड अनिवार्य

स्वास्थ्य विभाग के अफसरों का दावा है कि जल्द से जल्द लक्ष्य को पूरा करने के लिए अभियान शुरू कर दिया गया है। वय वंदना कार्ड 70 वर्ष या उससे अधिक उम्र के लोगों का ही बनना है। इसमें 05 लाख तक के उपचार का लाभ मिलेगा।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश

241 यात्रियों की मौत, अहमदाबाद से लंदन जा रही थी एअर इंडिया की फ्लाइट

अहमदाबाद। एअर इंडिया की फ्लाइट नंबर AI-171 ने गुरुवार, दिनांक 12 जून को दोपहर 1:38 बजे उड़ान भरी। थोड़ी के बाद यह नीचे गिरने लगा और दोपहर 1:40 बजे यह क्रैश हो गया। हादसे में गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी और 12 कू मेंबर्स समेत 241 लोगों की मौत होगई। प्लेन में 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक समेत कुल 242 यात्री सवार थे।

बीजे मेडिकल की बिल्डिंग से टकराया विमान

विमान ने अहमदाबाद से लंदन के गैटविक एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरी, लेकिन 39वें सेकेंड पर 2.5 किमी दूर बीजे मेडिकल एंड सिविल हॉस्पिटल की बिल्डिंग से जा टकराया। हादसे के समय इमारत में 50 से 60 डॉक्टर मौजूद थे।

फंडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन का कहना है कि हादसे में 4 MBBS स्टूडेंट, एक PG रेजिडेंट डॉक्टर और एक सुपरस्पेशलिस्ट डॉक्टर की पत्नी की मौत होगई और 60 से अधिक स्टूडेंट घायल हो गए।

भारत में घटती प्रजनन दर का कारण

संयुक्त राष्ट्र की नई रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्रजनन दर में गिरावट के लिए आर्थिक सीमाएं सबसे बड़ा कारण हैं। नौकरी की असुरक्षा, आवास की कमी, गर्भावस्था से सम्बंधित देखभाल व खराब स्वास्थ्य जैसे कारण भी लोगों को परिवार बढ़ाने से रोक रहे हैं। भारत में कुल प्रजनन दर प्रति महिला 1.9 होगई है।



एसी का न्यूनतम तापमान 20 से. पर क्यों सीमित कर रही है सरकार?

सरकार ने

एसी के लिए नई तापमान सीमा की घोषणा की है, जिसके तहत एसी के लिए तापमान मानकीकरण 20 से 28



सी के बीच निर्धारित किया जायेगा और ऐसा इसलिए किया गया है,

क्योंकि एसी का उपयोग बढ़तेक्रम में है। एसी का तापमान घटाने से बिजली ग्रिड पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है और कोयले

से चलने वाले बिजली संयंत्रों से उत्सर्जन बढ़ता है।

पुलिस में तीन बदलाव ज़रूरी

रिटाईर्ड आईपीएस अधिकारी और पूर्व डीजीपी आर.के.विज ने एक्स पर कहा है कि पुलिस में तीन बदलाव ज़रूरी है। आपने कहा कि पहला किसी के साथ मारपीट न करें, दूसरा बातचीत में शालीनता बरतें, गाली-गलौज न करें और तीसरा पुलिस स्टेशन पर सभी के आवेदन लें और रिसीप दें, इसमें कोई व्यय नहीं होता है।



फॉर्म 26 एएस और फॉर्म एआईएस में क्या है अन्तर?

टैक्स एक्सपर्ट के अनुसार, फॉर्म 26एएस, टीआरएसीईएस पोर्टल के जरिए और फॉर्म एआईएस, इनकम टैक्स कम्प्लायंस पोर्टल पर उपलब्ध होता है। 26एएस में टीडीएस, टीसीएस, सेल्फ-असेसमेंट टैक्स और

रिफंड का विवरण, जबकि एकआईएस में 26एएस में दिए गए सभी विवरणों के साथ बैंक ब्याज, डिविडेंड, म्यूचुअल फंड लेनदेन, सम्पत्ति सौदे समेत कई विवरण मिलते हैं।

अरुणाचल की हिलांग बनी देश की शान

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश की हिलांग याजिक ने बॉडी बिल्डिंग की दुनिया में भारत का परचम लहराते हुए नया इतिहास रच दिया है। उन्होंने भूटान के थिम्फू में आयोजित 15वीं साउथ एशियन बॉडी बिल्डिंग एंड फिजिकल स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2025 में एक गोल्ड और एक सिल्वर मेडल जीता। इस चैंपियनशिप में पदक जीतने वाली वह पहली भारतीय महिला बन गई हैं।



गौरतलब है कि हिलांग याजिक सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं। वह लोगों को वीडियो के जरिए फिटनेस के मंत्र देती रहती हैं। इंस्टाग्राम पर हिलांग अपनी फिटनेस यात्रा व जिंदगी की झलकियां भी शेयर करती हैं।